व्याख्या—बाड़मेर जिले में लिग्नाइट पर आधारित 1000 मेगावाट विद्युत परियोजना 'जालिपा' में प्रस्तावित है। यह परियोजना निजी क्षेत्र द्वारा विकसित की जा रही है।

1164.प्राकृतिक संसाधनों की प्रकृति एवं उपलब्धता के आधार पर राजस्थान में उद्योगों के विकास की सर्वाधिक सम्भावनाएँ हैं जिसका आधार है–

(a) पशुधन (b) कृषि
(c) खनिज (d) वन

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1944-95

व्याख्या—राजस्थान को खनिजों का आजयबघर कहा जाता है। राजस्थान में खनिज प्रचुर मात्रा में मिलते हैं जिनसे राज्य में अधिक आय व रोजगार के स्त्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। वर्तमान में 44 प्रकार के खनिज तथा 23 प्रकार के लघु खनिज उत्पादित होते हैं। राजस्थान का खनिजों की दृष्टि से भारत में दूसरा स्थान है।

1165.राजस्थान में विस्तृत रूप से प्राप्त प्रज्वलित ईंधन खनिज है–

(a) मैंगनीज (b) क्रोमाइट (c) अभ्रक (d) बॉक्साइट

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—अभ्रक - आग्नेय और कायान्तरित चट्टानों में सफेद या काले अभ्रक छोटे-छोटे टुकड़े के रूप में पाया जाता है। आधुनिक विद्युत उद्योग के लिए अभ्रक एक अपरिहार्य पदार्थ है। देश के कुल उत्पादन का 25% अभ्रक का उत्पादन कर राजस्थान दूसरे स्थान पर है।

1166.राजस्थान में सोने की खोज का कार्य जिस जिले में प्रगति पर है, वह है–

(a) उदयपुर (b) बूंदी
(c) जालौर (d) बांसवाड़ा

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या—भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा किये गये सर्वेक्षण से बांसवाड़ा जिले के आनन्दपुर-भुखिया क्षेत्र में स्वर्ण का पता चला है। बांसवाड़ा में सोना दोहन का कार्य हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा किया जा है।

1167. राजस्थान में तांबे का विशाल भण्डार स्थित है–

(a) डीडवाना क्षेत्र में (b) बीकानेर क्षेत्र में
(c) उदयपुर क्षेत्र में (d) खेतड़ी क्षेत्र में

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—राजस्थान में तांबे के विशाल भण्डार खेतड़ी (सिंघाना, झुंझनुं जिले) में स्थित है। खेतड़ी स्थित खानों से 'हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड' के माध्यम से तांबे का खनन होता है। राजस्थान में ताँबा भण्डार के अन्य क्षेत्र निम्न हैं- (i) खो - दरीबा क्षेत्र, (ii) देलवाड़ा-केरावला क्षेत्र तथा अन्य।

1168. संगमरमर की मूर्तियाँ राजस्थान में कहां बनती है?

(a) जयपुर में (b) किशनगढ़ में
(c) बाँसवाड़ा में (d) उदयपुर में

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—राजस्थान में उच्चकोटि का सफेद गुलाबी व धारदार संगमरमर राज्य के विभिन्न स्थानों पर पाया जाता है। राजस्थान में पाया जाने वाला मकराना का संगमरमर विश्व प्रसिद्ध है। संगमरमर पत्थर से कप, खिलौने, चकले, मेजे तथा मूर्तियाँ एवं अन्य उपयोगी वस्तुएँ कुटीर उद्योगों से बनाई जाती है। राज्य की राजधानी जयपुर में संगमरमर पत्थर से निर्मित की जाने वाली मूर्तियाँ विश्वविख्यात है। जयपुर में निर्मित इन संगमरमर मूर्तियों का बड़ी संख्या में निर्यात किया जाता है।

1169.निम्न खनिजों में किसके लिए राजस्थान को देश में एकाधिकार प्राप्त है?

(a) सीसा-जस्ता (b) अभ्रक
(c) मैंगनीज (d) ताँबा

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2003

व्याख्या — राजस्थान को 'खनिजों का संग्रहालय' तथा 'खनिजों का अजायबघर' कहा जाता है। खनिज उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का भारत के राज्यों में दूसरा स्थान है। यहाँ 44 किस्म के बड़े खनिज तथा 23 प्रकार के लघु खनिज पाए जाते हैं। राजस्थान को सीसा, जस्ता, चूना पत्थर, फेल्सपार, चीनी मिट्टी, प्राकृतिक जिप्सम आदि खनिजों के उत्पादन में एकाधिकार प्राप्त है। राजस्थान में देश के कुल जस्ता उत्पादन का 97 प्रतिशत, जस्ता-सीसा-80 प्रतिशत, मार्बल-90 प्रतिशत, एस्वेस्टस-89 प्रतिशत, फेल्सपार-70 प्रतिशत, सैण्डस्टोन-70 प्रतिशत तथा रॉक फास्फेट का 75 प्रतिशत उत्पादन होता है।

1170.राजस्थान के किस क्षेत्र में ताँबे की खान है?

(a) भीलवाड़ा (b) नागौर
(c) खेतड़ी (d) नीमला

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2003

व्याख्या — अलौह धातुओं में ताँबा बहुत ही लचीला और विद्युत की उत्तम सुचालक धातु है। राजस्थान में ताँबे की खाने झुंझनू जिले में खेतड़ी, सिंघाना तथा अलवर जिले खो-दरीबा में स्थित हैं। खेतड़ी-सिंघाना राजस्थान का प्रमुख ताँबा उत्पादक क्षेत्र है। खेतड़ी की खानों से हिन्दुस्तान ताँबा निगम द्वारा ताँबा निकाला जाता है। खेतड़ी में ही ताँबा शोधन संयंत्र की स्थापना की गई है।

1171.निम्न में से कौन-सा अर्द्ध-दुर्लभ/दुर्लभ पत्थर राजस्थान में प्रचुरतम मात्रा में पाया जाता है?

(a) नीलम (b) मानिक
(c) फीरोजा (d) सुलेमानी पत्थर

उत्तर – (d)

RPSC RAS/RTS 2003

व्याख्या — राजस्थान में दुर्लभ पत्थर सुलेमानी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। राजस्थान में पाए जाने वाले अन्य बहुमूल्य पत्थर खनिज हैं- संगमरमर, पन्ना, तामड़ा, नमक, चूने का पत्थर, फ्लोराइड, बेराइट्स, ग्रेनाइट, सिस्ट, क्वार्टजाइट, स्लेट, बालुका पत्थर, धीया पत्थर, बॉक्साइट, खड़िया तथा केल्साइट आदि है।

1172.राजस्थान के एक शहर में पीले पत्थर की खान है। इस पत्थर को भी इसी शहर के नाम से जाना जाता है। यह शहर है-

(a) जैसलमेर (b) कोटा
(c) मकराना (d) जोधपुर

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2003